Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date-   Class - V
Subject - Hindi Language   Page - 1
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पुस्तक - भाषा किरण
'विराम चिह्न'

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ विराम चिह्न कक्षा पाँचवी की हिन्दी व्याकरण का है। आज हम इस पाठ में हिन्दी में प्रयोग किए जाने वाले कुछ विराम चिह्नों के बारे में पढ़ेंगे।

बच्चो! बोलते समय हमें अपने भावों को स्पष्ट करने के लिए रुकना पड़ता है। इसी विश्राम या रुकने को विराम कहा जाता है और लिखते समय इस विश्राम के बारे में संकेत करने के लिए हमें कुछ चिह्नों का प्रयोग करना पड़ता है, जिन्हें व्याकरण की भाषा में विराम-चिह्न कहते हैं।

विराम का अर्थ है - रुकना। भाषा के लिखित एवं मौखिक रूप में यदि विराम न लिया जाए, तो अर्थ का अनर्थ हो सकता है।

इस प्रकार हिन्दी भाषा को लिखते समय विश्राम/रुकने की प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

विराम-चिह्नों के प्रयोग से अर्थ में भिन्नता आती है।
जैसे :-

- संभव रुको, मत खेलो।
- संभव रुको मत, खेलो।

__/__/__

Date- Class- V
Subject- Hindi Language Page-2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

बच्चो ! विराम-चिह्न के प्रमुख बारह भेद होते हैं ।

1. पूर्ण विराम (।)
2. अल्पविराम (,)
3. अर्द्ध विराम चिह्न (;)
4. प्रश्नवाचक चिह्न (?)
5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!)
6. योजक चिह्न (-)
7. निर्देशक चिह्न (—)
8. उद्धरण चिह्न ' ' " "
9. कोष्ठक चिह्न ( )
10. लाघव चिह्न ०
11. हंसपद ^
12. विवरण चिह्न :-

* पूर्ण विराम चिह्न (।):- वाक्य की समाप्ति के पश्चात् पूर्ण विराम लगाया जाता है ; जैसे -
  - मैं आज उदास हूँ ।
  - तुम बहुत अच्छे हो ।

* अल्पविराम (,) :- किसी एक वाक्य को पढ़ने के लिए तथा एक ही प्रकार के पदों या उपवाक्यों को अलग करने के लिए अल्पविराम (,) लगाया जाता है ; जैसे -
  रमेश, दिनेश और मोनू क्रिकेट खेलने गए ।

Scanned with CamScanner

_/_/__

Date-   Class- V
Subject- Hindi Language   Page-3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

- संबोधन के बाद अल्पविराम लगाया जाता है।
  बच्चो, कल संज्ञा के भेद पढ़ेंगे।
- हाँ या नहीं के बाद अल्पविराम लगता है।
  हाँ, मैं कल स्कूल जाऊँगी।
  नहीं, तुम नहीं जा सकते।

* अर्द्ध विराम (;) :- वाक्य में जहाँ पूर्ण विराम से कम तथा अल्पविराम से अधिक रुकना हो, वहाँ अर्द्ध विराम लगाया जाता है; जैसे -

- हिम्मत से काम लो; संघर्ष करो।
- फल कई प्रकार के होते हैं; अनार, आम, अमरूद आदि।
- मिट्टी में अभी नमी है; जल्दी से बीज बो देते हैं।

* प्रश्नवाचक चिह्न (?) वाक्य में जब प्रश्न किया जाता है, तब अंत में प्रश्न-वाचक चिह्न आता है। जैसे :-

- क्या आप शहर जाएँगे?
- वहाँ कौन खड़ा है?
- आप कहाँ जा रहे हैं?

* विस्मयादिबोधक चिह्न :- (!) आश्चर्य, हर्ष, शोक, भय आदि भावों को व्यक्त करने एवं संबोधन के लिए विस्मय वाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे :-

Scanned with CamScanner

Date - Class - V
Subject - Hindi Language Page - 4.
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

- अरे ! तुम अभी तक गए नहीं ।
- वाह ! तुमने आज हम लोगों का सिर ऊँचा कर दिया ।

* योजक चिह्न (–) :- योजक चिह्नों का प्रयोग दो एक जैसे शब्दों, विपरीतार्थक शब्दों तथा आपस में तुलना के लिए किया जाता है ; जैसे–

- अनिकेत बिल्कुल अपने पिता–सा है ।
- मेरी मदद करने के लिए तुम्हारा बहुत–बहुत धन्यवाद ।
- वह दिन–रात काम करता है ।

बच्चो ! इस सप्ताह हम यही विराम चिह्न करेंगे । बाकी के विराम चिह्न हम अगले सप्ताह करेंगे ।

गृहकार्य :- बच्चो ! आप इन विराम चिह्नों को ध्यानपूर्वक समझकर अपनी व्याकरण की उत्तर–पुस्तिका में लिखेंगे ।

धन्यवाद !

Last page.

Scanned with CamScanner